"प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (टीओटी)" क्रमांक-04

(जुलाई 11 से 16, 2022)

आंतरिक सुरक्षा अकादमी ने प्रशिक्षण संस्थान एवं अन्य संस्थानों में तैनात अधिकारियों के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (टीओटी) क्रमांक-04 का आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम में सीआरपीएफ के प्रशिक्षण संस्थानों एवं विभिन्न संस्थानों से सहायक कमांडेट से द्वितीय कमान अधिकारी रैंक के 24 अधिकारियों ने भाग लिया।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को यह समझने में मदद करना है कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार कैसे किया जाए और प्रशिक्षण/पाठ्यक्रमों का पेशेवर प्रबंधन कैसे किया जाए।

श्री के.थॉमस जॉब, उपमहानिरीक्षक(प्रशि.) आसुअ, सीआरपीएफ ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया । प्रतिभागियों को अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने उन विभिन्न कौशलों के बारे में बताया जो एक प्रशिक्षक के पास होना चाहिए और एक प्रशिक्षक के पेशेवर ज्ञान और कौशल को इंटरएक्टिव सत्रों/विचार-मंथन/व्यावहारिक अभ्यासों और अनुभव साझा करने के माध्यम से अपग्रेड करना चाहिए।

श्री डी.एस. राठौर उपमहानिरीक्षक (प्रशा.) आसुअ ने पाठ्यक्रम का समापन किया । प्रतिभागियों को अपने संबोधन में, उन्होंने बताया कि प्रशिक्षक के ऊपर उसके संगठन का काफी भरोसा होता है , इसीलिए प्रशिक्षको के कंधो पर बहुत जिम्मेदारी होती है ।

श्री के. थॉमस जॉब, उपमहानिरीक्षक(प्रशि.), आसुअ. केरिपुबल द्वारा उद्घाटन ।

आंसुअ अकादमी के संकाय अधिकारियों एवं विभिन्न प्रख्यात वक्ता- डॉ. आर.के. चौबीसा, (सेवानिवृत्त) प्रोफेशर पब्लिक प्रशा. (एचसीएमआरएसआईपीए), श्री सतीश कुमार कौशल, प्रिंसिपल / सचिव एफसीआई, अजमेर,, श्री श्याम चंदेल सायबर सिक्यूरिटी एक्सपर्ट, डॉ (श्रीमती) कुमुदिनी शर्मा, मास्टर ट्रेनर (डॉप्ट।) भोपाल, प्रो. पी.के. जैन पूर्व डीन और एचओडीएमएलएस विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन व्याख्यान दिए और प्रतिभागियों की जानकारी को समर्द्ध किया।

ग्रुप फोटो के दौरान प्रतिभागी अधिकारी।

श्री श्याम चंदेल, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ,एक "सोशल मीडिया का उपयोग। हनी ट्रैप : फोर्स में बढ़ रही घटनाएं" पर सत्र लेते हुए।

श्री सतीश के. कौशल, प्राचार्य/सचिव, "प्रशिक्षण रिकॉर्ड बनाए रखें प्रशिक्षण पुस्तकालय बनाए रखें" पर व्याख्यान देते हुए।

डॉ.(श्रीमती) कुमुदिनी शर्मा, मास्टर ट्रेनर, पाठ योजनाएँ लिखें। पाठ्यक्रम-डिजाइन/पाठ्यक्रम तैयार/उत्पादित करना" पर व्याख्यान देते हुए।

प्रो. पी. के. जैन पूर्व डीन, एचओडीएमएलएस विश्वविद्यालय "प्रारूपण और लेखन कौशल" पर व्याख्यान देते हुए।

डॉ. प्रेम चंद कमांडेंट (प्रशा./प्रशि.), आईएसए, "सिंडिकेट प्रस्तुति" पर व्याख्यान देते हुए।

प्रो. आर.के. चौबीसा, प्रोफेसर, "टीओटी उद्देश्यों और एक प्रशिक्षक की भूमिका ट्रेनर के लिए क्या करें " पर सत्र लेते हुए।

श्री कृष्ण कुमार दुबे, सहा.कमा., आसुअ, कक्षाओं की तैयारी। ऑडियो-विजुअल उपकरणों को सेट करें और उनकी स्थिति बनाएं" पर व्याख्यान देते हुए ।

श्री डी.एस. राठौर उपमहानिरीक्षक (प्रशा.) आसुअ द्वारा ऑनलाइन समापन ।